प्रेस विज्ञप्ति

आज पटना विश्वविद्यालय के कम्प्यूटर सेंटर में Online Mode में विश्वविद्यालय का 104वाँ स्थापना दिवस समारोह मनाया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूपमें पटना विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो० रासविहारी प्रसाद सिंह मौजूद थे। इस Online Foundation Day Celebration में बड़ी संख्याँ में पदाधिकारीगण, संकायाध्यक्ष, प्राचार्य, विभागाध्यक्ष, शिक्षकगण, कर्मचारीगण एवम् छात्रगण भाग लिये। इसवार पहलीवार पटना विश्वविद्यालय के द्वारा Online स्थापना दिवस मनाने का निर्णय माननीय कुलपति प्रो० गिरीश कुमार चौधरी द्वारा लिया गया। सभी आगुन्तक अतिथियों का स्वागत नव नियुक्त प्रति कुलपति प्रो० अजय कुमार सिंह ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव कर्नल मनोज मिश्रा के द्वारा किया गया। सम्पूर्ण कार्यक्रम का संचालन IQAC के निदेशक प्रो० वीरेन्द्र प्रसाद के द्वारा किया गया। इस अवसर पर संकायाध्यक्ष, छात्र कल्याण, प्रो० एन.के. झा समेत अन्य पदाधिकारी मौजूद थे।

इस अवसर मुख्य अतिथि के तौर पर बोलते हुए पटना विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो० आर.वी.पी. सिंह ने पटना विश्वविद्यालय के पूरानी गरिमामयी इतिहास का याद दिलाते हुये विश्वविद्यालय के उपलब्धियों की बिस्तार से चर्चा की। उन्होंने अपने कार्यकाल में हुये कार्यो का याद दिलाते हुये कहा कि विश्वविद्यालय के तीन महत्वपूर्ण अंग होते है छात्र, शिक्षक, पदाधिकारी एवं कर्मचारी इन तीनों अंगो को मजवूत करके ही विश्वविद्यालय को आगे बढ़ाया जा सकता है। उन्होंने छात्र एवम् शिक्षको से पुस्तकालय के अधिक से अधिक उपयोग करने का आह्वान किया। उन्होंने पटना विश्वविद्यालय के उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए आज भी पटना विश्वविद्यालय देश के अव्वल विश्वविद्यालयो में से एक है। उन्होंने वर्त्तमान कुलपति महोदय से Heritage University तथा Ceatral University का Status प्राप्त करने की दिशा में काम करने का आग्रह किया जिसके लिये पटना विश्वविद्यालय पूरी अर्हता रखता है। उन्होंने विश्वविद्यालय को समाज तथा कॉरपोरेट क्षेत्र से जोड़ने पर वल दिया जिससे विश्वविद्यालय अपनी पूरानी गरिमा को वरकरार रखते हुए 21वीं सदी में अपनी पहचान बनाने के क्षेत्र में अग्रसर हो सके।

इस अवसर पर माननीय कुलपति प्रो० गिरीश कुमार चौधरी ने पटना विश्वविद्यालय की महत्ता एवं अन्तर्राष्ट्रीय पहचान को याद दिलाते हुए इस बात पर जोड़ दिया कि संसाधनों की कमी के बावजूद पटना विश्वविद्यालय को आगे बढ़ाने से कोई रोक नहीं सकता है | जरुरत है केवल IT CELL से जोड़ने की | उन्होंने विश्वविद्यालय के NAAC Grade को सुधार करने तथा इसे NIRF रैंकिंग के लिए तैयार करने की दिशा में एक रोड मैप तैयार करने पर जोड़ दिया | उन्होंने इस अवसर पर शिक्षकों से विशेषकर युवा शिक्षकों से शोध एवं अनुसंधान तथा प्रोजेक्ट्स एवं पेटेंट के क्षेत्रों पर कार्य करने हेतु आगे आने का आहान किया | उन्होंने विश्वविद्यालय को गतिमान तथा आने वाली चुनोतियों से सामना करने के लिए strength, weakness, opportunity and threats (SWOT) को पहचानने तथा उसके अनुकूल strategy बनाने पर जोड़ दिया है | उन्होंने रिसर्च को प्रोमोट करने के लिए seed money देने पर विचार करने का आश्वासन दिया | अपने अभिभाषण में स्पष्ट रूप से कहा की आप समस्याओं के साथ समाधान के साथ आयें | उनका

यथाशीघ्र निदान किया जाएगा | उन्होंने विश्वविद्यालय में कार्य संस्कृति में पारदर्शिता लाने तथा कार्यालय में अनावश्यक विलम्ब पर चिंता जताते हुए उसे यथाशीघ्र सम्पादित करने की दिशा में काम करने हेतु कर्मचारियों एवं पदाधिकारियों से विशेष ध्यान देने को कहा | उन्होंने विश्वविद्यालय को student centrie बनाने की दिशा में कार्य करने हेतु शिक्षकों एवं कर्मचारियों से आग्रह किया और इस कार्य में छात्रों से सहयोग करने का अपील किया | उन्होंने सबों को आश्वश्त किया कि उनकी समस्याओं को विशेषकर प्रोन्नति तथा अन्य मामलों का निष्पादन यथाशीघ्र किया जाएगा | उन्होंने आशा व्यक्त की मैं तकनीकी अनुभवों से इस विश्वविद्यालय को आगे बढ़ाने की दिशा में भरपूर प्रयास करेंगे ताकि विश्वविद्यालय अपनी पुरानी पहचान एवं गरिमा को वापस प्राप्त कर सकें |

अंत में कुलसचिव ने सभी अतिथिगण को धन्यवाद दिया तथा COVID-19 के संक्रमण काल में पहली बार ऑनलाइन celebration करने के प्रयास के लिए नए कुलपति प्रोफेसर गिरीश कुमार चौधरी को विशेषरूप से धन्यवाद दिया |